नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 15.09.2018

प्रकाशनार्थ

पाठ योजना में शिक्षक अपनी विशेष सामग्री और छात्रों के बारे में जो कुछ भी जानता है उन बातों का प्रयोग सुव्यवस्थित ढ़ंग से करता है। अध्यापक एक पाठ पढ़ाने के लिए उसे छोटी इकाई की विषयवस्तु को एक पीरियड में पढ़ाया जाता है। इस विषयवस्तु को पढ़ाने के लिए एक विस्तृत रुप रेखा तैयार की जाती है जिसे पाठयोजना कहते हैं। उपर्युक्त बाते महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान **'पाठ योजना'** नामक विषय पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रुप में दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग की **प्रो. सुष्मा पाण्डेय** ने छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं को पावर प्वाइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि सर्वप्रथम शिक्षक को जो भी पढ़ाना है उसका उद्देश्य निर्धारण कर लेना चाहिए और छात्रों को भी अवगत कराना चाहिए। शिक्षक को उचित विधि का प्रयोग करना चाहिए अगर उचित विधि का प्रयोग नहीं करता तो शिक्षण प्रभावी नहीं होगा। शिक्षण कार्य में सहायक सामग्री का विशेष योगदान होता है। शिक्षक जो कुछ भी पढ़ाने वाला है उसके बारे में उसे भलीभांति आना चाहिए। पाठ योजना के सम्पूर्ण आयाम को बताया एवं एक अच्छी पाठ योजना के प्रारूप के निर्माण को भी बताया। साथ ही आपने कहा कि शिक्षक को अपने छात्र से भी निरन्तर सीखते रहना चाहिए।

कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती प्रतिभा मणि त्रिपाठी ने किया एवं आभार ज्ञापन बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक श्री विजय कुमार ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. प्रथम वर्ष के 65 छात्राध्यापक–छात्राध्यापिका एवं बी.एड्. विभाग के प्राध्यापक श्रीमती साधना सिंह, सुश्री रचना पाण्डेय, सुश्री दीप्ति गुप्ता, सुश्री श्वेता चौबे, श्रीमती शिप्रा सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, श्री मृत्युंजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी